

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'मेंटल हेल्थ: ब्रेकिंग स्टिग्मा एंड प्रोमोटिंग सोशल इनक्लूज़न'
पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित**

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2025

सामाजिक समावेश अध्ययन केंद्र (सीएसएसआई) और जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के अकादमिक मामले के डीन कार्यालय ने वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण मंच के एक संगठन, COTO (Come Together) के सहयोग से कल 'मेंटल हेल्थ: ब्रेकिंग स्टिग्मा एंड प्रोमोटिंग सोशल इनक्लूज़न' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह 2025 के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, नौकरशाहों और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और इससे जुड़े स्टिग्मा को दूर करने तथा समग्र रूप से सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का आयोजन व्यापक दर्शकों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसे दैनिक जीवन में शामिल करने के उद्देश्य से किया गया था। यह कार्यशाला माननीय कुलपति एवं संरक्षक प्रो. मज़हर आसिफ़ और कुलसचिव एवं सह-संरक्षक प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी के निर्देशन और सहयोग से आयोजित की गई थी। सीएसएसआई की डीन, अकादमिक मामले और कार्यवाहक निदेशक, प्रो. तनुजा ने इस पहल का नेतृत्व और परिकल्पना की।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत पवित्र कुरान की आयतों के पाठ से हुई, जिसके बाद जामिया तराना के साथ-साथ सीएसएसआई की उपलब्धियों का परिचय दिया गया और वियना विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. माइकल सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों का अभिनंदन किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में, प्रो. तनुजा ने 2025 के सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले पर प्रकाश डाला, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य को अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का एक अभिन्न अंग माना गया था और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को स्वीकार करने, उन्हें सामान्य बनाने और उन पर काबू पाने पर भी ज़ोर दिया गया था। इसके बाद रजिस्ट्रार प्रो. रिज़वी ने अपने संबोधन में सामान्य रूप से और विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और एक सहायक प्रणाली के रूप में समुदाय की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अल्फोंस कन्ननथनम थे। अपने वक्तव्य में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर व्यक्ति में थोड़ा पागलपन होता है और यही बात हर व्यक्ति को अद्वितीय और विशेष बनाती है, उसे हिम्मत देती है और सपने देखने के लिए प्रेरित करती है।

मुख्य अतिथि, भारत में ऑस्ट्रिया की राजदूत महामहिम सुश्री कैथरीना वीसर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक मुद्दा है और इससे निपटने तथा अपने जीवन को समृद्ध और बेहतर बनाने के लिए सहयोग और पेशेवर सहायता लेने की आवश्यकता है।

अध्यक्षीय संबोधन में, माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ ने मानव मन की शक्ति और 'आत्म-प्रेम' की अवधारणा तथा प्रत्येक व्यक्ति की बदलाव लाने की क्षमता और योग्यता पर प्रकाश डाला। इसके

बाद सीएसएसआई और हरियाली ग्रामीण विकास केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित 'ग्रीन एंड क्लिन डेल्ही' पर 12 सितंबर 2024 की संगोष्ठी प्रोसिडिंग्स की पुस्तक का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन संयोजक डॉ. शेख मुजीबुर रहमान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सबा हुसैन ने किया और उसके बाद राष्ट्रगान हुआ।

अगला सत्र COTO की रिसोर्स पर्सन, सुश्री प्रज्ञा अरोड़ा के साथ शुरू हुआ, जो मेलबर्न विश्वविद्यालय से छह साल से अधिक के अनुभव के साथ नैदानिक व्यवहार चिकित्सक हैं। उन्होंने गतिविधियों के साथ एक आइस ब्रेकर सत्र आयोजित किया और मन, शरीर और आत्मा के समग्र कल्याण पर प्रकाश डाला। डॉ. मोना गुजराल, पुरस्कार विजेता परामर्श मनोवैज्ञानिक और किशोर पेरेंटिंग कोच ने सामाजिक समावेशन और 'आत्म समावेशन' और 'मास्क इन, मास्क आउट' की अवधारणा और मुद्दों की पहचान करने और उन्हें दूर करने के लिए संवेदनशील होने के बारे में बात की। इसके बाद छात्रों के साथ प्रश्नोत्तर के साथ एक मौखिक इंटरैक्टिव सत्र हुआ। अध्यक्ष, प्रो. समीना बानो, जेएमआई के मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष ने अपने दशकों के अनुभव को साझा किया और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से जुड़े स्टिग्मा को तोड़ने के बारे में बात की और छात्रों को जामिया में जामिया की परामर्श सुविधा का लाभ उठाने और सार्थक सामाजिक संबंधों के महत्व की सलाह दी। सत्र का संचालन डॉ. सबा हुसैन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्री शेख मोहम्मद फरहान ने किया।

तीसरे सत्र की शुरुआत हरियाली सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट के कार्यकारी निदेशक श्री मोहम्मद यूसुफ़ ने की, जिन्होंने महिलाओं और ग्रामीण आबादी में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में तेज़ी से हो रही वृद्धि की ओर ध्यान दिलाया। कार्यशाला का समापन भाषण विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन और भारत-जीसीसी ट्रेड काउंसिल के मानद स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी ने दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि बड़ी शारीरिक बीमारियों की तरह, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी इलाज संभव है और इनके लिए सहानुभूति की आवश्यकता है। इस सत्र की अध्यक्ष, जेएमआई के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफ़ेसर शीमा अलीम ने जेएमआई की मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन इकाई और परिसर में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के बारे में बताया।

इस कार्यक्रम में 500 से ज़्यादा ऑनलाइन पंजीकरण हुए और खचाखच भरे हॉल में फिज़िकली रूप से भी लोगों ने भाग लिया। वरिष्ठ संकाय डॉ. शेख मुजीबुर रहमान और डॉ. अरविंद कुमार के मार्गदर्शन और शिक्षण संकाय श्री शेख मुहम्मद फरहान, डॉ. सबा हुसैन, डॉ. ज्योतिरूपा राउत, शोध सहायक श्री अबू फैजान और सुश्री सूफिया निज़ामी, कार्यालय कर्मचारी श्री माईज़ और श्री अजहर, शोधार्थियों और छात्र वोलेंटीयर्स की टीम के अटूट सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम लक्षित दर्शकों तक पहुँचने में सफल रहा।

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी